हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शनिवार, 10 अक्तूबर 2015, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण
www.livehindustan.com

9वीं और 10वीं के छात्रों को नजदीकी बैंकों में भेजेंगे

छात्र बैंकों में सीखेंगे वित्तीय प्रबंधन के गुर

पहल

नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

सीबीएसई बोर्ड के 9वीं और 10वीं के छात्र अब बैंकों में वित्तीय प्रबंधन के गुर सीखेंगे। स्कूल के नजदीकी बैंकों में छात्रों को पढ़ने के लिए भेजा जाएगा। वे न सिर्फ बैंक की कार्यशैली जानेंगे, बल्कि ऑनलाइन बीमा प्रबंधन, डेबिट व क्रेडिट कार्ड के सकारात्मक इस्तेमाल की बारीकी से जानकारी हासिल करेंगे।

छात्रों को निश्चित अवधि में बैंक में भेजा जाएगा। स्कूल समय-सारिणी के हिसाब से यह अवधि तय करेंगे। वहीं, बोर्ड के निदेशक (वीई एंड ई) एमवीवी प्रसाद राव ने बताया कि भारतीय बैंक संघ के सहयोग से छात्रों को भविष्य के लिए वित्तीय तौर पर मजबूत बनाने के लिए कार्यक्रम को शुरू किया जा रहा है। इसे प्रधानमंत्री की जनधन योजना के साथ जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि देशभर के सीबीएसई स्कूलों से नजदीकी बैंकों का ब्योरा मांगा गया है। उनसे 20 अक्तूबर तक बैंक का पता और एक ऐसे शिक्षक की जानकारी मांगी जा रही है, जो बतौर नोडल अफसर छात्रों को बैंक में पढ़ाने के लिए काम करेगा।

वहीं, बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि आजकल युवा पीढ़ी आय होने के बावजूद वित्तीय प्रबंधन में नाकाम साबित हो रही है। अधिकतर बीमा आदि सेविंग स्कीम का सही तरीके से फायदा नहीं उठा पाते। छात्रों को सही जानकारी देने के लिए यह योजना शुरू हुई है।

वहीं, एमएम स्कूल की प्रिंसिपल रुमा पाठक का कहना है कि इससे उन छात्रों को भी फायदा होगा जो बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। उन्हें बैंक में नौकरी के लिए कोचिंग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अगले साल 16 विषयों का पुनर्मूल्यांकन

अगले साल सीबीएसई 12वीं की पुनर्मूल्यांकन की नीति में नए विषय शामिल कर सकता है। अभी 12 विषयों का पुनर्मूल्यांकन कराया जा सकता है। इनमें इंग्लिश कोर, इंग्लिश इलेक्टिव, फंक्शनल इंग्लिश, हिन्दी कोर, हिन्दी इलेक्टिव, गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बिजनेस स्टडीज, इकोनॉमिक्स व अकाउंट विषयों में होगा। अगले साल इन विषयों की संख्या 16 करने की तैयारी की जा रही है। बता दें कि इसके लिए तीन चरण होते हैं। पहले चरण में अंकों का सत्यापन होता है। दूसरे में उत्तर पुस्तिका की फोटो कॉपी की मांग की जाती है। इसके लिए ऑनलाइन करना आवेदन होता है। प्रत्येक विषय की उत्तर पुस्तिका की फोटो में यदि गड़बड़ी नजर आती है तो छात्र इस आधार पर तीसरे चरण में पुनर्मूल्यांकन करा सकते हैं।